भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
18.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 4251 का उत्तर

पश्चिम रेलवे के मुंबई-गुजरात खंड में एबीएसएस

4251. श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम रेलवे के मुंबई-गुजरात खंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे स्टेशनों की प्रारंभिक स्वीकृत लागत, संशोधित लागत और वास्तविक व्यय में असामान्य वृद्धि के क्या कारण हैं;

(ख) क्या लागत में हुई उक्त वृद्धि की केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी), भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) या किसी अन्य स्वतंत्र एजेंसी द्वारा कोई जांच की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या गत पांच वर्षों के दौरान पश्चिम रेलवे में महत्वपूर्ण अनुबंध (जैसे एफओबी, सीसीटीवी और सिग्नलिंग के लिए) केवल चुनिंदा ठेकेदारों के समूहों को दिए गए हैं और यदि हां, तो निविदा हेतु पात्रता संबंधी पक्षपाती शर्तों और सीमित प्रतिस्पर्धा के संबंध में प्राप्त शिकायतों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस संबंध में कोई सतर्कता जांच की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पश्चिम रेलवे में कार्य पूरा हुए बगैर किए गए भुगतान के संबंध में कितने मामले सामने आए हैं और इसमें शामिल अधिकारियों के पदनाम और उनके विरूद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्रवाई का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): भारतीय रेल में स्टेशनों का उन्नयन/आधुनिकीकरण एक निरंतर चलने वाली सतत प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। किसी स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की श्रेणी/स्थिति/यातायात प्रबंधन आदि के आधार पर किया जाता है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना में मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उन्हें लागू करना शामिल है। ब्राउनफील्ड परियोजना की चुनौतियों और यात्रियों तथा बिना किसी प्रतिकूल प्रभाव के रेलगाड़ियों के परिचालन पर स्टेशनों का पुनर्विकास/उन्नययन अनिवार्य रूप से एक चरणबद्ध और सतत प्रक्रिया है, तदनुसार परियोजनाओं का चरणबद्धरण कार्यान्वयन विभिन्न घटकों के लिए विभिन्न चरणों में अनुमोदन का कारण हो सकता है। अनुमोदनों में पूर्व में स्टेशनों पर किए गए कार्य, वर्तमान में अनुमोदित कार्य आदि को ध्यान में रखा जाता है।

भारतीय रेल में परियोजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी हेतु एक सुव्यवस्थित स्थापित तंत्र है, जिसमें उनकी समीक्षा, निरीक्षण, कार्यों की गुणवत्ता की जाँच तथा लेखापरीक्षण शामिल हैं। कार्य विभिन्न संहिताओं एवं नियमावलियों में निर्धारित मानकों एवं विनिर्देशों के अनुरूप संपादित किए जाते हैं। समय-समय पर विभिन्न एजेंसियों/अधिकारियों/बहु-विषयक दलों द्वारा निर्धारित निर्देशों के अनुसार

निरीक्षण/लेखापरीक्षण/जाँच की जाती है तथा तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की जाती है। यह सतत एवं निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

देश भर में रेल परियोजनाओं/कार्यों के लिए राज्य सरकारों, संसद के सदस्यों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि द्वारा की गई मांगों के आधार पर औपचारिक और अनौपचारिक दोनों तरह के अभ्यावेदन/सुझाव, प्राप्त किए जाते हैं। ऐसे सुझावों/प्रतिनिधियों की प्राप्ति एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इनकी जांच की जाती है और समय-समय पर व्यवहार्य और औचित्यपूर्ण पाए जाने पर कार्रवाई की जाती है।

प्रश्न में उल्लिखित मुद्दों के संबंध में पश्चिमी रेलवे और रेलवे बोर्ड के सतर्कता संगठनों को कोई शिकायत नहीं मिली है और इन इकाइयों द्वारा उक्त परियोजनाओं में कोई जांच नहीं की गई है।

रेलवे में निविदाएं रेलवे द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुसार जारी की जाती हैं। शिकायतों की जांच और निपटान केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के दिशानिर्देशों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1338 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें 87 स्टेशन गुजरात में और 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र और गुजरात राज्य में विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
गुजरात	87	अहमदाबाद, आनंद, अंकलेश्वर, असारवा, बारडोली, भचाऊ, भक्तिनगर, भंवड़, भरूच, भाटिया, भावनगर, भेस्तान, भीलडी, बिलिमोरा (एनजी),

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		बिलिमोरा जंक्शन, बोटाड जंक्शन, चांदलोडिया, चोरवाड़ रोड, डभोई जंक्शन, दाहोद, डाकोर, देरोल, ध्रांगधारा, द्वारका, गांधीधाम, गोधरा जंक्शन, गोंडल, हापा, हिम्मतनगर, जाम जोधपुर, जामनगर, जामवंतली, जूनागढ़, कलोल, कानालुस जंक्शन, करमसद, केशोद, खंभालिया, किम, कोसंबा जंक्शन, लखतर, लींबडी, लिमखेड़ा, महमदाबाद और खेड़ा रोड, महेसाणा, महुवा, मणिनगर, मीठापुर, मियागाम कर्जन, मोरबी, नडियाद, नवसारी, न्यू भुज, ओखा, पदधारी, पालनपुर, पलिताना, पाटन, पोरबंदर, प्रतापनगर, राजकोट, राजुला जंक्शन, साबरमती (बीजी ओर एमजी), सचिन, सामाख्याली, सनजन, सावरकुंडला, सायन, सिद्धपुर, सिहोर जं., सोमनाथ, सोनगढ़, सूरत, सुरेंद्रनगर, थान, उधना, उदवाड़ा, अंबरगांव रोड, उंझा, उत्राण, वडोदरा, वापी, वटवा, वेरावल, वीरमगाम, विश्वामित्री जं., वांकानेर
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली,

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजी नगरछत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस ,, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेल), दादर (पश्चिम रेल), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड जं., मलकापुर, मनमाड जं., मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़ जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर जं., नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
		जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजीनगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

<u>पूर्ण किए गए स्टेशन</u>:

गुजरात और महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से शुरू किया गया है। गुजरात और महाराष्ट्र में पूर्ण किए गए स्टेशनों का विवरण नीचे दिया गया हैः

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
गुजरात	21	डाकोर, डरोल, गोधरा जं., हापा, जाम जोधपुर, जामवंतली, कानालुस जंक्शन जं., करमसद, खंभालिया, कोसाम्बा जं., लींबडी,, महुवा, मिठापुर, मोरबी, ओखा, पलिताना, पोरबंदर, राजुला जं., सामाख्याली, सिहोर जं., उत्रान
महाराष्ट्र	17	आमगाँव, बारामती, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगाँव, लासलगाँव, लोनंद जं, माटुंगा, मुर्तिजापुर जं, नांदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहाड, वडाला रोड

अन्य स्टेशनों को विकसित किए जाने के लिए गतिविधियों को भी अच्छी गति से शुरू किया गया है और कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई हैः

गुजरात:

हिम्मतनगर स्टेशन: नए स्टेशन भवन, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार, पेयजल बूथ, शौचालय, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग और 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

- **दाहोद स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रांगण, प्लेटफार्म नंबर 1 की प्लेटफार्म सतह, बुकिंग काउंटर, प्रतीक्षालय, प्रतीक्षा कक्ष, पे एंड यूज शौचालय, परिचलन क्षेत्र, प्रवेश/निकास द्वार और संकेतक में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।**
- **लिमखेड़ा स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2 को ऊंचा करने, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म नंबर 1 और 2/3 पर शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार और प्रवेश/निकास द्वार का काम पूरा हो चुका है। संकेतक और 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल का काम शुरू किया गया है।**
- **असारवा स्टेशन: नए स्टेशन भवन, प्रांगण, नए प्रतीक्षा कक्ष, बुकिंग काउंटर और शौचालय ब्लॉक का कार्य पूरा हो चुका है। नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्लेटफॉर्म सतह, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, दिव्यांगजनों हेतु सुविधाओं और कॉनकोर्स के परिष्करण का कार्य शुरू किया गया है।**

महाराष्ट्र:

- **पालघर स्टेशन: प्लेटफॉर्म नंबर 2/3 पर नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह बनाना, नए कोपिंग ब्लॉक्स और प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर टैक्टाइल टाइल का कार्य पूरा कर लिया गया है। यूटिलिटी शिफ्टिंग और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल का काम शुरू किया गया है।**

- **दिवा स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पूर्वी हिस्से के पार्किंग के सुधार कार्य, नए प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म सं. 5/6 और 7/8 का प्लेटफॉर्म को ऊंचा करने और फर्श संबंधी कार्य, प्लेटफॉर्म सं. 7/8 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए शौचालय ब्लॉक, पश्चिम की ओर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट, कल्याण छोर और मुंबई छोर पर ऊपरी पैदल पुल में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 6 मीटर के नए पैदल पार पुल का काम शुरू कर दिया गया है।**

- **मुंब्रा स्टेशन: प्लेटफॉर्म की सतह, बैठने की व्यवस्था, नए शौचालय ब्लॉक, बुकिंग कार्यालय के सुधार, परिचलन क्षेत्र, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और ऊपरी पैदल पुल के फर्श की मरम्मत का कार्य पूरा हो चुका है। स्वचालित सीढ़ियों का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **टिटवाला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म की सतह, टिकट बुकिंग कार्यालय में सुधार, शौचालय ब्लॉक, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और पूर्वी और पश्चिमी तरफ दोपहिया वाहन पार्किंग और पहुंच मार्ग का सुधार कार्य पूरा हो चुका है। 6 मीटर के नए पैदल पुल का काम शुरू कर दिया गया है।**

इस मास्टर योजना में निम्नानुसार शामिल हैं:

- **स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार,**
- **स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण,**
- **स्टेशन भवन में सुधार,**
- **प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पेयजल बूथों में सुधार,**
- **यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान**
- **लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ियों/रैंप का प्रावधान**
- **प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर में सुधार/प्रावधान**
- **'एक स्टेशन एक उत्पाद जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय 'उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान,**

- **पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों के साथ एकीकरण,**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं,**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, लैंडस्केपिंग आदि का प्रावधान**

अमृत भारत स्टेशन योजना में भी स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध और व्यवहार्यता के अनुसार बिना बलास्ट के रेलपथ आदि की व्यवस्था और लंबे समय में स्टेशन पर सिटी सेंटर का निर्माण करने की संभावना शामिल है।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है और न कि कार्य-वार, स्टेशन-वार या राज्य-वार।

गुजरात दो रेलवे जोन, उत्तर पश्चिमी रेलवे और पश्चिमी रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 2,081 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 2,089 करोड़ रुपए (फरवरी, 2026 तक) का व्यय किया गया है।

महाराष्ट्र में चार रेलवे जोन हैं, जो मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिमी रेलवे हैं। इन क्षेत्रों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3,834 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, अब तक (फरवरी, 2026 तक) 3,886 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है।

******